साग़र भरने वाले

दो रोटी को कौन है तरसा मत पूछो
कौन है झूठा कौन है सच्चा मत पूछो

हंसते चेहरे ले कर घूमने वालों की
आँखों में है किस का सदका मत पूछो

महंगी-महंगी जागीरों के वारिस तुम
जंगल-जंगल कौन है भटका मत पूछो

साग़र भरने वाले तिश्ना-लब दिल में
किस की यादों का है झरना मत पूछो

ले कर कौन गया है कौन ले जाएगा
निधि इस दुनिया में क्या किस का मत पूछो

निधि भार्गव मानवी

ईस्ट दिल्ली/कवयित्री/

लेखिका/मंच संचालिका